मनसा सेवा - 105

अव्यक्त बापदादा :- (31. 03. 2010)

➳ _ ➳ आज बापदादा अपने चारों ओर के पूर्वज और पूज्य आत्माओं को देख रहे हैं। पूर्वज आत्मायें अपने को समझते हो ना। पूज्य आत्माओं का निवास कहाँ हैं? अपने झाड़ को सामने लाओ उसमें देखो, आपका स्थान कहाँ है? जानते हो कि आप पूर्वजों का स्थान जड़ में है। झाड़ के जड़ में भी है, तना में भी है। तो **जड़ के द्वारा ही सारे वृक्ष को पालना मिलती है। तो आप इस सारे वृक्ष के टाल टालियां वा पत्तों की पालना करने वाले, सकाश देने वाले पूर्वज हो। पूर्वज के साथ पूज्य भी हो।** तना द्वारा लास्ट पते को भी सकाश मिलती है। तो अपने को सारे वृक्ष को सकाश देने वाले अनुभव करते हो?

➳ _ ➳ नशा रहता है कि हम पूर्वज सर्व आत्माओं रूपी टाल टालियां या पत्तों को सकाश दे रहे हैं। **जैसे ब्रह्मा बाप को ग्रेट ग्रेट ग्रैण्ड फादर कहते हैं तो उनके आप बच्चे साथी भी मास्टर ग्रेट ग्रेट ग्रैण्ड फादर हो। सारे वृक्ष के आत्माओं की आप पूर्वज आत्माओं की तरफ आकर्षण है।** आप पूर्वज आत्मायें उन्हों की पालना शक्तियों द्वारा करते। जैसे आप सभी पूर्वज आत्माओं की पालना बाप ने की तो बाप ने कैसे की? शक्तियों द्वारा। वैसे आप भी पूर्वज के नाते से शक्तियों द्वारा उन्हों की पालना करने वाले हो।

➳ _ ➳ आजकल देखते ही कि सभी आत्मायें दु:खी हैं, पुकार रही हैं, अपने-अपने देवी देवताओं को, आओ हमारी रक्षा करो। हमें शान्ति दो, हमें शक्ति दो। **ओ क्षमा के सागर पूर्वज हमें पालना दो। तो यह आवाज आप पूर्वज आत्माओं के कानों में सुनाई दे रहा है? अनुभव करते हो कि हम ही पूर्वज हैं?** सारे वृक्ष में देखी जो भी अन्य धर्म वाली आत्मायें भी हैं तो वृक्ष में टाल टालियां होने के कारण वह भी आपको उसी नज़र से देखते हैं। उन्हों के भी पूर्वज आप ही हो।

➳ _ ➳ **कोई भी धर्म वाली आत्माओं से आप जब मिलते हो तो यह समझते हो कि यह भी हमारे ही वृक्ष की टाल टालियां हैं।** वह भी जब आपसे मिलते हैं तो समझते हैं कि यह अपने हैं। अपनेपन का अनुभव उन आत्माओं को भी हो रहा है और होना है। तो इतना नशा, इतना अन्दर से आप लोगों के पास रहम आता है? वह चिल्ला रहे हैं रहम करो तो **अभी समय अनुसार आप सभी पूर्वज आत्माओं को मन्सा द्वारा शक्तियों की पालना करनी है। उन्हों को आवश्यकता है।**

➢➢ **कल्प वृक्ष को देखना**

➳ _ ➳ **हम सब पूर्वज आत्मायें पूज्य आत्मायें है**

→ हमारा निवास स्थान जड़ों मे है

- **जड़े वृक्ष की पालना करते है**
- जड़े गुप्त रहती है
- जड़े शक्ति देती है
- जड़े पानी देते है
- **जड़े अदृश्य है**

→ **जितनी जड़े अंदर उतना झाड ऊपर जा सकता है**

→ मनुष्य जाति झाड की तरह है

➳ _ ➳ आत्मायें पुकार रही है, दु:खी है, अशांत है, समस्याओ से भरी हैं, खाली हो चुकी है, कमजोर है

→ **जैसे बाप ने शक्ति भरी ऐसे हमे भी उनमें शक्ति भरनी है**

➳ _ ➳ ये मनुष्य सृष्टि का झाड है कल्प वृक्ष है कल्प तरू है

→ **कल्प वृक्ष अर्थात जो इच्छा हो वो पूर्ण करता है**

→ सभी धर्मो मे इसका वर्णन है ये सागर मंथन से निकला था

→ जिस जिस चीज मे थोडा आकर्षण है उसको कल्प वृक्ष कहा जाता है

➳ _ ➳ **जितनी जडे शक्तिशाली होगी उतना झाड शक्तिशाली होगा**

→ जड़ो मे बल नही है तो झाड मे भी नही होगा

➢➢ **योग का प्रयोग**

➳ _ ➳ 1. **हम कल्प वृक्ष के नीचे बैठे है तपस्या कर रहे है**

→ हमसे सारी किरणें निकल रही है

→ तने द्बारा लास्ट पते को भी सकाश देनी है

→ **किसी को नही छोडना सब को सकाश देना है एक एक पता सबको**

➳ _ ➳ 2. **मै ब्राह्मण आत्मा तपस्या कर रही हूं**

→ **जड़ों मे हूं और मुझसे किरणें फैल रही है पूरे झाड मे**

➳ _ ➳ 3. **हम ऊपर है परमधाम मे**

→ मनुष्य जाति का वृक्ष नीचे है

→ **हमसे किरणें जा रही है एक एक पते मे एक एक धर्म की आत्माओं मे**

➳ _ ➳ **जितना जड़ो मे रहेंगे गुप्त रहेंगे उतने शक्तिशाली होगे**

→ साधना गुप्त हो

→ **देहभान से दूर रहने की साधना चालू रहे**

➳ _ ➳ **कल्प वृक्ष की हम जडे है और हमे पालना करनी है सर्व आत्माओ की शक्तियो से**

➳ _ ➳ हमे अपने को शक्तिशाली बनाना है, तो उसकी विधि है:-

→ **दूसरो को शक्तिशाली बनाना**

→ **दूसरो को व्यर्थ से मुक्त करना**

- **हम स्वयं मुक्त हो जायेगे**

→ **दूसरो को सकाश देने से हम स्वयं शक्तिशाली होते जायेगे**

- **क्योकि उसमे साक्षी भाव आ जाता है**

→ एक एक पते को सकाश देना ये अभ्यास करना है शक्तियों से उन आत्माओं को शक्तिशाली बनाना है

➳ _ ➳ एक विधि है हम कोई भी प्रश्न ले ले और उसको साक्षी होकर देखे

→ फिर ये देखे ये परिस्थिति मेरे जीवन मे हो तो कैसे करे?? इसका हल क्या है??

→ **हमे हमारे जीवन मे जो प्रश्न है उसको लिखना है**

→ अपने जीवन के प्रश्न निकालने है। अपनी लाइफ को स्टडी करना है

➳ _ ➳ कोई प्रश्न पूछता है तो उसमे हमारे जीवन का प्रश्न छिपा है

→ **थोडे अलग रूप मे है जब उनका हल ढूंढने की कोशिश करते है तो अपना भी हल मिल जाता है**

➳ _ ➳ **आत्माओ मे बल भरना उनको शक्तिशाली बनाना उनकी समस्याओ को हल करना ये करते हम भी समस्या मुक्त हो जाते है**

→ पूछने वाले भी दूसरो की समस्या को हल करने लगते है

→ ऐसे स्व सेवा भी चलती रहे और दूसरो की भी